उसकी फसल के पहले से मूल्यों की घोषणा करने पर विचार कर रहा है ? अगर पहले से घोषणा कर दी जाए तो और उनको यह पता रहे कि इसमें हमको लाभ होगा और देश की आवश्यकताओं के अनुरूप उस फसल का उत्पादन इस साल अच्छा रहेगा, इस दृष्टि से भी आपका प्लानिंग है क्या ?

श्री सुरजीत सिंह बरनाला : अभी तो जितना चाहिए उतना भी हम पैदा नहीं कर रहे है । अभी तो कोशिश इस बात की की जा रही है कि ज्यादा फूड पैदा हो । जैसा कि मैंने सवाल में बताया है—बी आर स्टिल शार्ट आफ 2.7 मिलियन टन्स ।

श्री प्रकाश वीर शास्त्री : मेरा प्रश्न तो केवल मात्र यह है कि कृषि मंत्रालय को ऐसा प्लानिंग करना चाहिए कि भारत के किसानों के लिए कोई इस तरह की योजना देनी चाहिए कि इस बार हमें इतनी आवश्यकता पड़ेगी, इस बार गेहूं की इतनी आवश्यकता होगी, गन्ने की इतनी आवश्यकता होगी । तो पहले से योजना किसानों को दी जाए और उस फसल का मूल्य पहले घोषित कर दिया जाए । यह संतुलन न होने से यह होता है कि इस बार किसानों को 4 पैसे ज्यादा मिले तो उसने गेहूं का उत्पादन कर लिया । 105 रुपये आपने घोषणा की, लेकिन 80—90 रुपये क्विंटल उसको गेहूं का नहीं मिल रहा है । उसको पूरी वसूली मूल्य 105 की बजाय 80-90 मिला । तो किसान को भी घाटा न रहे और देश की आवश्यकताओं की पूर्ति भी हो सके, इसके लिए कृषि मंत्रालय इस पर योजनाबद्ध ढंग से विकास की योजना बना रहा है ?

श्री सुरजीत सिंह बरनाला : बहुत पहले अगर मूल्य नियत कर दिया जाए तो अगर किसान को वह ठीक नहीं लगता तो वह बोता नहीं है । तो यह फारमूला वहां काम नहीं करेगा । जो आप यह कहते है कि इस बार 80—90 रुपये गेहूं बिक रहा है, मैं समझता हूं वह बात गलत है क्योंकि सपोर्ट प्राइस 110 रु० रखी गई है । 110 रुपये अप्रूव्ड क्वालिटी की प्राइस है और 106 से लेकर 110 तक गेहूं बिकता रहा है और जहां कहीं भी अप्रूव्ड वैराइटीज आई वहां गेहूं खरीदा गया । 5 मिलियन टन के करीब गेहूं खरीदा गया जहां कहीं भी आया ।

Criticism of the Rural Health Scheme

66. PROF. N. M. KAMBLE:
SHRIMATI SUSHILA SHANKAR ADIVAREKAR:
SHRI NABIN CHANDRA BURAGOHAIN:
SHRI S. KUMARAN:
SHRI SANAT KUMAR RAHA:

Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state:

(a) whether the Indian Medical Association, some State Governments and eminent medical men in **the** country have expressed disapproval of the proposed Rural Health Scheme of the Central Government;

(b) if so, what are the main points of the scheme disapproved by the Indian Medical Association and the State Governments; and

(c) whether Government propose to review the scheme in the light of the views expressed by them?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री (श्री राजनारायण) : (क) और (ख) : भारत सरकार द्वारा प्रस्तावित ग्रामीण स्वास्थ्य योजना पर राज्य सरकारों, विभिन्न संगठनों तथा लोगों ने अपनी काफी अभिरुचि दिखाई है । इनमें भारतीय चिकित्सा संघ भी शामिल है । इस योजना में जो अभी सक्रिय रूप से विचाराधीन स्थिति में है, इसकी केवल मुख्य मुख्य बातों का ही जिक्र किया गया है । भारत जैसे विशाल और अनेकताओं वाले देश कोई एक रूपता थोपने अथवा निर्धारित

tThe question was actually asked on the floor of the House by Prof. N. M. Kamble.

करने का सरकार का इरादा नहीं था । तदनुसार राज्यों से यह कहा गया था कि वे अपने अपने यहां की भिन्न स्थितियां बतलाते हुए और इस योजना की सम्पूर्ण परिकल्पना की रक्षा करते हुए जो नई बातें सुझाना चाहते हों उन्हें हम लिखकर भेज दें । राज्य सरकारों से अब तक जो प्रस्ताव पत्र मिले हैं, उनमें केरल और तमिल नाडु सरकारों ने वहां की स्थानीय स्थितियों और स्वास्थ्य सेवाओं एवं तत्संबंधी अन्य कार्यों में हुए विकास की वर्तमान स्थिति को देखते हुए इसके स्थान पर दूसरी योजनाएं सुझाई हैं ।

भारतीय चिकित्सा संघ ने अन्य बातों के साथ साथ जन स्वास्थ्य रक्षकों के 'रात-रात में डाक्टर' अथवा नीम-हकीम बनने की बात भी कही है ।

(ग) अभी इस योजना पर विचार किया जा रहा है ।

f[THE MINISTER OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (SHRI RAJ NARAIN): (a) and (b) The Rural Health Scheme proposed by the Government of India has evoked wide response from the State Governments, various organisations and people. This includes Indian Medical Association also. The scheme which is still under active consideration has only spelt out the broad elements. In a country of the size of India with wide variations, the Government did not intend to impose or prescribe any uniformity. The states were accordingly asked to send their approach papers indicating the local variations and innovations which they would like to introduce within the overall concept of the Scheme. Of the approach papers received so far from the State Governments, Kerala and Tamil Nadu have suggested alternative schemes taking into account their local conditions and the existing stage of development in the field of Health services and related matters.

Indian Medical Association have, amongst other things, expressed apprehension about the community health workers becoming 'instant doctors' or quacks.

(c) The Scheme is still under consideration.]

tt] English translation.

PROF. N. M. KAMBLE: Sir, the Hon. Minister has stated that the various State Governments have been asked to send their proposals for this particular scheme. But I would like to know from the Hon. Minister whether before finalising this proposed scheme the various States, the Indian Medical Association and the eminent medical men were taken into confidence or not. And secondly, I would like to know the main features and objects of this particular scheme.

श्री राज नारायण : श्रीमन्, सम्मानित सदस्य ने बहुत ही सही बात कही है । जितने अधिक से अधिक लोगों से सहमति या सम्मति लेनी जरूरी थी वह सब हमने ले ली है । इस सब का ब्यौरा दे देना आवश्यक है (*(Interruptions)*) ब्यौरा दे देता हूं काहे को छाती फटी रही ह । 28 और 29 अप्रैल को हमने दिल्ली में सभी राज्यों के स्वास्थ्य मंत्री, स्वास्थ्य सचिव और देश के सभी जाने-माने मशहूर, प्रसिद्ध आयुर्वेद यूनानी, होम्योपैथ, योग के सिद्ध और एलोपैथ के सभी डाक्टरों का उम्सशनत्र किया सम्मेलन किया था और देश के कौने कौने से यहां पर पांच सौ लोग एकत्र हुए थे ।

श्री योगेन्द्र शर्मा : उसमें धीरेन्द्र ब्रह्मचारी को भी बुलाया गया था ?

श्री राज नारायण : धीरेन्द्र ब्रह्मचारी कांग्रेस सरकार के लिये उपयुक्त थे इस सरकार के लिये उनकी कोई उपयुक्तता नहीं रह गई । जो ब्रह्मचारी अपने यहां बन्दूक के लिये गोली बनाना सिखाये उस धीरेन्द्र ब्रह्मचारी के लिये जनता पार्टी के स्वास्थ्य विभाग में कोई स्थान नहीं है । मैं माननीय सदस्य की जान-

कारी के लिए यह बता देना चाहता हूं कि इसमें सभी राज्य शामिल हुए। अभी अभी तामिलनाडू के जो चीफ मिनिस्टर बने हैं उन्होंने भी यह सूचना दी है कि जो केन्द्र की योजना है उसको वे मुख्य रूप से स्वीकार करने जा रहे हैं। जहां तक केरल की बात है, मैं सदन में बता देना चाहता हूं कि इस सम्मेलन में कौन-कौन लोग शामिल हुये थे।

श्री उपसभापति : इसको रहने दीजिए।

श्री राजनारायण : मैं आपसे निवेदन करूंगा कि यह हमारा सम्मानित सदन और इस संसद् का अर्थ होता है कि यहां पर जन आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व हो। इसलिए मैं समझता हूं कि जनता की आकांक्षाओं को व्यक्त करना मेरा काम हैं।

श्री उपसभापति : इस संबंध में और भी कई माननीय सदस्य प्रश्न पूछना चाहते हैं। इसलिए अगर आप संक्षेप में उत्तर दें तो अच्छा होगा।

श्री राज नारायण : श्रीमन्, अगर मैं एक बात का ठीक उत्तर न देकर दूसरी बात पर चला जाऊंगा तो यह धृष्टता होगी।

श्री उपसभापति : आप संक्षेप में उत्तर दीजिये।

श्री राज नारायण : सम्माननीय सदस्य ने जो सवाल पूछा है अगर मैं उसका पूरा जवाब दे दूंगा तो फिर अन्य माननीय सदस्यों को सप्लीमेन्टरी पूछने की आवश्यकता नहीं रहेगी। माननीय सदस्य यह जानना चाहते हैं कि हमारे देश के किन-किन लोगों ने इस सम्मेलन में भाग लिया है।

PROF. N. M. KAMBLE: I did not ask for it.

श्री राज नारायण : इस सम्मेलन में जो लोग शामिल हुए थे उनके नाम इस प्रकार हैं।—श्री गोविन्द, मेम्बर पार्लियामेंट, श्री अशोक सेन गुप्ता, कलकत्ता, श्री कृष्ण सिंह (*Interruptions*), आल इंडिया इंस्टिट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज के प्रतिनिधि।

SHRI JANARDHANA REDDY: Every time he is wasting the time of the House.

SHRI PIARE LALL URF PIARE LALL TALIB KUREEL: He is replying to a point which was not raised. To the points which were raised, he is not replying.

श्री राज नारायण : इनके अलावा, बनारस और दिल्ली के प्राइवेट प्रेक्टिशनर्स ने भी इसमें भाग लिया। इनके अलावा और भी कई बड़े-बड़े लोगों ने इस सम्मेलन में भाग लिया।

SHRI PIARE LALL URF PIARE LALL TALIB KUREEL: On a point of order. *(Interruptions).*

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Order, please.

SHRI PIARE LALL URF PIARE LALL TALIB KUREEL: He wanted to know the salient features of the scheme that the Government is going to introduce. We do not want the names of the doctors.

PROF. N. M. KAMBLE: I wanted to know . . .

श्री राज नारायण : तालिब साहब ने एक सवाल पूछा है, मैं पहले उसका उत्तर दे दूं. . . (*Interruptions*)। लेकिन बीच में इस तरह से लपक कर दूसरे माननीय सदस्य सवाल कर देते हैं।

श्री नरेन्द्र मारूत राव कांबले : आप तो कुछ का कुछ बोल रहे हैं . . . . (व्यवधान)।

श्रीमती हामिदा हबीबुल्लह : अगर आप केवल सवाल का ही जवाब दें तो हम आपके बहुत आभारी होंगे।

श्री राज नारायण : मैं सवाल का जवाब ही दे रहा हूं ।

श्री प्यारे लाल कुरील उर्फ तालीब : आप अपनी स्कीम बताइये ।

MR, DEPUTY CHAIRMAN: Shri Kamble.

PROF. N. M. KAMBLE: Sir, in spite of the various efforts by the Government to collect all possible information . . .

SHRI BHUPESH GUPTA: My friend, Mr. Rajnarain, should answer briefly so that we can cover at least the names here. And if you like to have an entertainment hour, I suggest that we can have it later.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Prof. Kamble.

PROF. N. M. KAMBLE: The hon. Minister is making out that he had collected a lot of information, that he had called a meeting of various eminent persons and so on and so forth. I would like to point out that with all this, the scheme is disapproved or a part of it is disapproved. I would like to know the broad features of the scheme.

SHRI JAGJIT SINGH ANAND: And which features are disapproved and why?

श्री राज नारायण : श्रीमन् इस सदन में पहले दिन भी मैंने काफी बता दिया था और अब भी बता देता हूं ।

हमारी स्कीम का मुख्य उद्देश्य है कि जन-जन और गांव-गांव तक दवा का पहुंचना । इसलिये सबसे पहले तो मैं यह करने जा रहा हूं—जन स्वास्थ्य रक्षा और इसके लिये प्रशिक्षित दाई प्रत्येक गांव में हो जांय—1 हजार की आबादी पर उसको कहा जायेगा जन स्वास्थ्य रक्षा । इसके ऊपर आगे है वहुधंधी स्वास्थ्य सेवा । यहां 5 हजार पर एक पुरुष और एक स्त्री रहेगी । इसके बाद सेनेटरी इन्स्पेक्टर, मलेरिया वर्कर, स्वास्थ्य वर्कर, वैलफेयर वर्कर,

श्री योगेन्द्र शर्मा : उप सभापति जी, 5 हजार पर एक पुरुष और एक स्त्री का क्या मतलब है ?

श्री राज नारायण : माननीय सदस्य को इतनी जानकारी होनी चाहिए । वे कौतूहल करना चाहते हैं श्री भूपेश गुप्त की तरह I know so many Bhupesh Guptas and Sharmas. . . .

श्री योगेन्द्र शर्मा : आप अंग्रेजी मत बोलिये, हिन्दी में बोलिये ।

श्री राज नारायण : कायदे से सुनो तो सुनो । यदि मजाक करना हो, सदन का समय गवाना हो तो गंवाइये ।

स्वास्थ्य वर्कर, फैमिली वैलफेयर वर्कर, आकजलरी नर्स और मिड वाइफ की नई भर्ती जो होगा, उनको दो साल की ट्रेनिंग देकर इन जगहों पर उन्हें भर्ती किया जायेगा । अब उसके बाद ब्लाक लेबल पर हमारा रहेगा स्वास्थ्य केन्द्र, जिसमें डाक्टर होगा और वह क्वालीफाइड डाक्टर होगा । वास्तव में मैं कहना चाहता हूं कि सम्मानित सदस्य अपने देश के बारे में जानते नहीं । यह देखा जाय कि हमारी जो स्वास्थ्य योजना है, हमारी स्वास्थ्य योजना को विश्व स्वास्थ्य सम्मेलन ने. . . . .

श्री योगेन्द्र शर्मा : मान्यवर, मंत्री महोदय ने कहा कि माननीय सदस्य देश के बारे में जानते नहीं । यह मंत्री महोदय को नहीं कहना चाहिए था ।

श्री राज नारायण : स्वास्थ्य सम्मेलन में. . . . . . (Interruptions)

(Interruptions)

श्री योगे [illegible] , मंत्री महोदय का यह कहना [illegible] श के बारे में नहीं जानते हैं [illegible] इसको एक्स-पंज कर दिया [illegible]

श्री राज नारायण : मैं मान गया कि हमारे शर्मा जो बहुत कुछ जानते हैं। अगर समझ लिया जाय कि अज्ञानता ज्ञानता में परिणत हो रही है तो मैं क्या करूं।

श्रीमन्, मैं अब यह बताता हूं कि हमारी जो योजना थी, सम्मानित सदस्य जान गये कि 28-29 अप्रैल, को हमने बैठक की और 1 मई से लेकर 20 मई तक विश्व स्वास्थ्य सम्मेलन जेनेवा में हुआ। यह देखने की बात है कि विश्व स्वास्थ्य सम्मेलन ने करीब करीब हू-बहू हमारी जो योजना उसको पूर्णरूपेण अपनी स्वीकृति दी। जैसा कि हमारे यहां आल इंडिया मेडिकल एसोसियेशन ने क्रिटिसाइज किया। हमने ब्वैक पैदा करने की कोशिश की। अभी डा० उडुप्पा. . .

(Interruptions)

श्री यशपाल कपूर : प्वाइंट आफ आर्डर सर।

श्री राज नारायण : देश के जितने बड़े-बड़े डाक्टर हैं, डा० रामालिंगम, लिंगप्पा स्वामी और डा० उडूप्पा आदि सब लोगों ने लिखित रूप से हमारी योजना का समर्थन किया है और सब लोग हमारे सम्मेलन में शामिल हुए थे।

श्रीं यशपाल कपूर : उप सभापति जी, यह जो प्रश्न सदन के सामने है, उसमें यह पूछा गया है कि यह जो एक बड़ी शानदार योजना हमारे नये स्वास्थ्य मंत्री जी ने रखी है उस पर आपत्तियां कहां से, कौन सी सरकारों से कौन से स्थानों से आई। प्रश्न यह नहीं है, कि इनका यह जादू है क्या ? मैं आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं कि सदन के पिछले अधिवेशन में जब इंडियन मेडिकल एसोसियेशन ने इस पर मेमोरेन्डम दिया था तो मंत्री महोदय ने यह बात सदन के सदस्यों के आग्रह पर कही थी कि सदस्यों यह मालम नहीं कि यह योजना क्या है, इसलिये वे एक छोटी सी पत्रिका छापकर सब सदस्यों को भेज देंगे। परन्तु अभी तक. . . .

एक माननीय सदस्य : इसमें प्वाइंट आफ आर्डर क्या है ?

श्री यशपाल कपूर : मेरा प्वाइंट आफ आर्डर यह है कि मंत्री महोदय ने जो आश्वासन दिया था कि पम्पलेट भजेंगे, वह अभी तक सदस्यों के पास नहीं भेजे गये हैं, और, न भेजे जाने का कोई उत्तर दिया जा रहा है।

श्री राज नारायण : श्रीमन् मैं बहुत ही अदब के साथ निवेदन करना चाहता हूं, विरोधी दल के नेता पंडित कमलापति त्रिपाठी जी बैठे हुए हैं, परन्तु मुझे एसा लगता है कि सदस्य उनके कहने में रह नहीं गये हैं। क्योंकि यदि सोचा जाय कि माननीय सदस्य ने प्वाइंट आफ आर्डर उठाया। जो सवाल हमारे भाई ने पहले पूछा था, उन्हीं सवालों की पुनरावृत्ति माननीय सम्मानित सदस्य ने की है। यह कहना बिल्कुल सत्य नहीं है कि हमारी योजना का प्रारूप राज्य सभा और लोक सभा के सम्मानित सदस्यों को नहीं भेजा गया है। हमने यह सब को भेज दिया है।

कई माननीय सदस्य : नहीं, नहीं भेजा है।

श्री राज नारायण : सुन लीजिये, हमारे शब्द सुन लीजिये, हमको कुछ छिपाने की जरूरत नहीं है। हम भेज देते हैं लोकसभा के सचिवालय को, हम भेज देते हैं राज्यसभा सचिवालय को। एक पुलिन्दा बना करके भेज देते हैं। सम्मानित सदस्यों को इसलिए अपनी राजनीति को छोड़ करके पुलन्दे को पढ़ने की फर्सत ही नहीं मिलती। *(Interruptions)* अभी अभी हमारे सचिव ने हमको यह सूचित किया है कि माननीय सदस्यों में वितरण के लिए ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा योजना की प्रतियां राज्य सभा सचिवालय को भज दी गई हैं

{Interruptions)

SHRI VITHAL GADGIL; When. We have not received.

श्री राज नारायण : सुनिये, किसी को अगर नहीं भी मिली है तो मैं सदन की टेबल पर रखे देता हूं ताकि वे लोग भी पढ़ सकें।

(Interruptions)

दूसरी बात यह है कि हमारे माननीय सदस्य—क्या नाम ह उनका—श्री यशपाल कपूर जी ने एक सवाल किया था, उसका हमको जबाव देने दीजिए। यानि सम्मानित सदस्य श्री यशपाल कपूर ने हम से यह सवाल पूछा, जो कि ऐतिहासिक है, और यदि उसका ऐतिहासिक उत्तर मैं न दूं तो हमारी कितनी धृष्टता होगी। तो यशपाल कपूर जी को मैं बताना चाहता हूं कि इस देश में और विदेश में और प्रत्येक देश के जितने एम्बसडर मिले हैं, किसी ने भी इस योजना की शिकायत नहीं की। सभी लोगों ने इस योजना की तारीफ की है। *(Interruptions)* केवल इण्डियन मेडिकल एसोसियेशन एक है जिस चेयरमैन सैक्रटरी अपने सदस्यों सहित यहां हमसे मिलने आए थे और दो घण्टे हमसे बहस करने के बाद माने। मगर ऐसा लगता है उन्होंने किसी शक्ति से इनसपायरड होकर ब्यान दिया। जिस ब्यान के विरोध में डा० रामालिगास्वामी के मुंह से मैं बताता हूं। "This programme is principle is very good and highly excellent." यह डा० रामलिगास्वामी को मैं कोट कर रहा हूं वे आज इण्डिया मैडिकल इंस्टीट्यूट के डायरेक्टर थे। इसलिए 22 तारीख को इण्डियन मैडिकल एसोसिएशन के अध्यक्ष—सैक्रटरी को हमारा सचिवालय, डा० रामालिग स्वामी सब मिलकर समझाने की कोशिश करेंगे।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Shrimati Sushila Shankar Adivarekar,

PROF. N. M. KAMBLE: I have not asked my second question.

श्री राज नारायण : श्रीमन् मेरी एक मुसीबत है। जब पहले मैं विरोध पक्ष में था तो सवाल पूछता था तो बराबर यह शिकायत रहती थी कि मंत्री उत्तर देने से हिचकते है और जब मैं सरकार में जाकर उत्तर देना चाहता हूं तो सदस्य लोग उत्तर सुनने से हिचकिचाते हैं *(Interruptions)* मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूं *(Interruptions)*

SHRIMATI MARGARET ALVA: He took twenty-five minutes to answer one question.

SHRI SHYAMLAL GUPTA: What happened yesterday?

SHRIMATI SUSHILA SHANKAR ADIVAREKAR: Sir, the hon. Health Minister has just explained . . .

श्री राज नारायण : श्रीमन् मैं सवाल सुन नहीं पा रहा हूं, सदन में इतना हल्ला हो रहा है.....

(Interruptions)

एक माननीय सदस्य : आप कान में लगाइये न। *(Interruptions)*

श्री राज नारायण : आप जरा शान्त रहिए और हमको सुनने दीजिए और सम्मानित सदस्य को बोलने दीजिए और जब महिला सदस्य सवाल कर रही

(Interruptions)

SHRIMATI SUSHILA SHANKAR ADIVAREKAR: Sir, the honourable Health Minister has just now explained and gave the details about the proposed Rural Health Scheme. He has said that he has got the Scheme and he has said what he is intending to do. But, at the conference of the Indian Medical Association, they very strongly opposed the Rural Health Scheme except for the allopathy part of it. I feel that the IMA has got a strong aversion to the other medical sciences and they have never been co-operative in spreading the other sciences in the rural areas. We also know that there is a strong lobby and there is a strong feeling in this regard which has been shown in the resolution that they passed recently at the conference of the IMA. Now, Sir, I would like to know whether he would be able to

influence the Indian Medical Association in his own persuasive way . . . *{Interruptions).* . .

SHRI M. KAMLANATHAN: Now you admit that he is persuasive . . . *(Interruptions)*

SHRIMATI SUSHILA SHANKAR ADIVAREKAR: I would like to know from the honourable Minister whether he would be able to influence the Indian Medical Association in his own persuasive way to bring them round and also what exactly he is going to do to have the fullest co-operation from the Indian Medical Association.

श्री राज नारायण : श्रीमन्, माननीया सदस्या ने बहुत ही सही सुझाव दिया है । हम पूरे तरीके से इंडियन मेडिकल एसोसियेशन की जो भ्रान्त धारणा है, उसका खंडन कर रहे है । 22 तारीख को उनके सभापति और सचिव को हमारे सचिवालय में बुलाया गया है और ये श्री रामालिगा स्वामी भी आ रहे है । इंण्डियन मेडिकल एसोसियेशन के प्रेसीडेंट श्री बी०एन०सिन्हा ने भी हमको बताया कि हमने उनको समझा दिया है कि बात क्या थी । उन्होंने हमारी योजना को पढ़ा नहीं और कह दिया उन्होंने ग्राम स्वास्थ्य रक्षकों को डाक्टर समझ कर कह दिया "He is going to create quocks" यह जो ग्राम रक्षक हैं यह केवल लिंक का काम करेंगे और एक तरह से ये स्वास्थ्य की परीक्षा करते रहेंगे, देखते रहेंगे । ऊपर के डाक्टरों को गांव के लोगों की हालत से अवगत कराते रहेंगे । तो यहां यह समझा जा रहा है कि जन स्वास्थ्य रक्षक डाक्टर होने जा रहे हैं 3 महीने की ट्रेनिंग लेकर । इन लोगों को 3 महीने की ट्रेनिंग मिलेगी । वर्ल्ड हैल्थ आर्गनाइजेशन ने इन्हें विलेज वर्कर्स कहा है परन्तु हमने इस नाम का भारतीयकरण करके इन्हें जन स्वास्थ्य रक्षक कर दिया है । इसलिये माननीया सदस्या अब पूरी तरीके से समझ लें कि किसी का विरोध नहीं कर गया है और इण्डियन मेडिकल एसोसियेशन के लोग भी अब धीरे-धीरे समझने लगे हैं कि हां, उन्होंने गलत फहमी में आकर यह ब्यान दे दिया । *(Interruptions)*

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Question Hour is over now.

SHRI BHUPESH GUPTA :Sir, the Question Hour may be over. But I have a submission to make now. Now, Sir, you would have watched that every small question, the question hour being the same, has been answered by a lengthy speech. Even when a question has not been put. the answer has been given. Sometimes the Minister himself has put questions and tried to answer. . . *(Interruptions)*

SHRI RAJ NARAIN: Sir, what is he doing?... *(Interruptions),* What is he doing? Why is he standing? He is showing his goodness or badness?

SHRI BHUPESH GUPTA; All I ask Mr. Raj Narain is not to get annoyed. There are many names in the list of questions and many Members have not been able to put their questions and get answers . . . *(Interruptions)* .

SHRI RAJ NARAIN: What can I do?

SHRI BHUPESH GUPTA: Therefore, I suggest . . .

(Interruptions)

SHRI NAGESHWAR PRASAD SHAHI; Sir, on a point of order. . . *(Interruptions).* . . Sir, on a point of order. It is for the Chair to decide and to control the House and to guide the House and not for Mr. Bhupesh Gupta... *(Interruptions)*

DR. RAJAT KUMAR CHAKRABARTI: It is for the Chair to decide. *(Interruptions)*

SHRI NAGESHWAR PRASAD SHAHI: Mr. Bhupesh Gupta should not dictate to the House.

SHRI BHUPESH GUPTA; Sir. the questions are to be answered, of course. But, Sir, sometimes you are also very helpless. Now, Mr. Raj Narain . . .

{Interruptions)

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Order, please. Now, the papers to be laid on the Table.

SHRI BHUPESH GUPTA: Sir, I wanted to submit . . . (Interruptions)

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Now, papers to be laid on the Table.

श्री जगदीश जोशी : श्रीमन् मेरा निवेदन है कि श्री भूपेश गुप्त और माननीय राज-नारायण, इन दोनों की भाषण प्रतियोगिता इस सवाल पर यहां करा दी जाए । हम लोग जज बनकर सुनते रहेंगे । यह लोग 4–4 और 5–5 घंटा बोलें जो जीत जाये उसको हाऊस की तरफ से ट्राफी दी जाए *(Interruptions)*

श्री राज नारायण : कोई एक विषय रख दिया जाय भूपेश गुप्त जी भी बोलें और हम भी बोलें ।

माननीय उपसभापति : हमारा भी तो ख्याल रखिये ।

WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

*67. *[Transferred to the* 26th *July,* 1977].

Changes in educational system

*68. SHRI VITHAL GADGIL: SHRI MULKA GOVINDA REDDY; SHRI DEVENDRA NATH DWIVEDI: SHRI BIPINPAL DAS:

Will the Minister of EDUCATION, SOCIAL WELFARE AND CULTURE be pleased to state:

(a) whether Government propose to introduce basic reforms in the educational system as suggested by Shri Jaya Prakash Narayan; and

(b) if so, whether Government propose to appoint a Committee of educationists and other important public-men to suggest necessary changes in this regard?

THE MINISTER OF EDUCATION, SOCIAL WELFARE AND CULTURE (DR. PRATAP CHANDRA CHUNDER); (a) and (b) The Government propose to undertake reforms in the educational system on the lines envisaged in the manifesto of the Janata Party. While doing so, the views of Shri Jaya Prakash Narayan will be kept in view. A meeting of the State Ministers of Education is being held on 10th and 11th August to discuss these issues. The matter will also be discussed by the Central Advisory Board of Education which, among others, consists of Education Ministers of States, Vice-Chancellors, Members of Parliament, eminent educationists and public men.

Graduates of integrated medicines

*69. SHRI HARSH DEO MALAVIYA: DR. V. B. SINGH: SHRI SARDAR AMJAD ALI: SHRI HIMMAT SINH;.

Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state:

(a) the number of graduates of integrated medicines who have so far passed courses from institutions recognised by Universities, Boards. or Faculties in India;

(b) whether Government have received any representation from National Integrated Medical Association urging recognition of such graduates for allowing them to practise modern medicine and surgery; and

(c) if so, what decision Government have taken thereon?